**Fourteenth Loksabha**

**Session : 11**
**Date : 15-05-2007**

**Participants : Bhagora Shri Mahaveer**

>

Title: Need to ensure availaibility of life-saving drugs in Government Hospitals in the Country.

**श्री महावीर भगोरा (सलूम्बर) :** महोदय, स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय, भारत सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के स्वास्थ्य सेवा निदेशालयों द्वारा निर्धन, गरीबी की रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, टाइफाइड, टी.बी., ब्लड क्लोटिंग, पर्किसन एवं मिर्गी जैसे मरीजों के निःशुल्क ईलाज हेतु र्वा 2001 में 359 दवाओं की सूची जारी कर सभी सरकारी अस्पतालों में उक्त दवाइयां उपलब्ध रखने के आदेश जारी किये थे। परन्तु विभिन्न जांचों, लेखा परीक्षणों एवं सरकारी रिकार्ड के अ वलोकन से यह तथ्य सामने आये हैं कि कई दवायें तो पांच पांच र्वो तक स्टोर में उपलब्ध नहीं हुई है।

देश के दूरदराज, पहाड़ी, आदिवासी, रेगिस्तानी क्षेत्रों में तो ऐसी दवाएं कभी पहुंची नहीं नहीं है।

कैग रिपोर्ट के अनुसार देश की राट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी ऐसी है, जहां कई जीवन रक्षक दवाएं पांच पांच र्वो तक गायब रही। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं की क्या स्थिति है। वैसे भी ग्रामीण क्षेत्र के अस्पतालों में विशेाज्ञ चिकित्सक नहीं होते हैं एवं सामान्य चिकित्सक भी मुख्यालय पर नहीं रहते हैं और ऊपर से दवाइयों की अनुपलब्धता लोगों की असामायिक मृत्यु के प्रमुख कारण हैं।

मैं इस अत्यंत लोक महत्व के विाय की ओर माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री एवं प्रधान मंत्री महोदय का ध्यान आकर्ति कर आग्रह करता हूं कि जीवन रक्षक दवायें समस्त सरकारी अस्पताल में उपलब्ध रहें एवं वरिठ चिकित्सक भी चौबीस घंटे उपलब्ध रहें ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करावें।